वेद मे– राजन्य
मनुस्मृति मे– बाहुज, क्षत्रिय, राजपुत्र
अन्य ग्रन्थों मे– क्षत्रिय, राजपुत्र, ठाकुर

चन्द्रवंशी क्षत्रिय

२४ गोत्र
३६ शाखायें
१४ उपशाखायें

संकलनकर्ता– पन्नालाल बिसेन
अधिवक्ता बालाघाट

शाखा	गोत्र	प्रमुख प्रशाखायें	कुलदेवी	कुलदेवता	वेद	प्रमुख निवासक्षेत्र
सोमवंशी	अत्रि	सोमवंशी, चन्द्रवंशी	महालक्ष्मी	श्रीराम	यजुर्वेद	उत्तरप्रदेश, बिहार, पंजाब
यादुवंशी	कौंडिण्य	यदु. यदुवंशी, आदौन, जड़ेजा	योगेश्वरी	श्रीकृष्ण	"	राजस्थान, कच्छ, मथुरा, मैसूर
तोमर	गर्ग	तंवर, तोमर, सोपचाल, तुंगपाल, बैलवार बेरुयार	"	शिव	"	मध्यभारत, चंबल, गाजीपुर वाराणसी
कलचुरि	कश्यप	कलचुरी, करचोलिया	विंध्यवासिनी	विष्णु	सामवेद	बुंदेलखंड, बघेलखंड, मध्यभारत उत्तरप्रदेश, राजस्थान
गहरवार	"	गहरवार, बुंदेला	अन्नपूर्णा	शिव	"	"
भारद्वाज	भारद्वाज	कथ, दोनवार, हरद्वार	शारदा	विष्णु	यजुर्वेद	उत्तरप्रदेश, पंजाब
बनाफर	कौंडिल्य	कोई शाखा नहीं (स्थानानुसार नाम)	"	"	"	उत्तरप्रदेश, मध्यभारत
जनवार	कौशिक	"	चंडिका	"	"	बलरामपुर, गोंडा, बहराईच
चन्देल	पाराशर	"	महालक्ष्मी	शिव	"	उत्तरप्रदेश, बिहार
सेंगर	गौतम	"	विंध्यवासिनी	"	"	मध्यभारत, उत्तरप्रदेश, राजस्थान
हैहो	कृष्णात्रेय	"	दुर्गा	"	"	उत्तरप्रदेश